

शिव आमंत्रण

सशक्तिकरण एवं सामाजिक सेवाओं का दर्पण



20 जनवरी से
दिसंबर 2022
तक चलेगा
अभियान

वर्ष 09 | अंक 03 | हिन्दी (मासिक) | मार्च 2022 | पृष्ठ 16 | मूल्य ₹ 9.50

आगाज] प्रधानमंत्री ने किया आजादी के अमृत महोत्सव से स्वर्णिम भारत की ओर राष्ट्रीय अभियान का शुभारंभ

ब्रह्माकुमारीज के प्रयासों से देश को मिलेगी एक नई ऊर्जा और शक्ति

—प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी



[राज्यपाल कलराज मिश्र, लोस स्पीकर ओम बिरला, सीएम अशोक गहलोत, सीएम भूपेन्द्र पटेल, केंद्रीय मंत्री जी किशन रेड्डी शामिल हुए]

15

हजार कार्यक्रम देशभर
में करने का लक्ष्य

10

करोड़ लोगों तक
पहुँचने की योजना

07

अभियानों को पीएम ने
दिखाई हरी झंडी

5000

सेवाकेंद्रों पर होंगे
कार्यक्रम

■ शिव आमंत्रण, आबू रोड (राजस्थान)

आजादी के अमृत महोत्सव से स्वर्णिम भारत की ओर राष्ट्रीय अभियान का प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 20 जनवरी को वचुअल शुभारंभ किया। सात अभियानों को भी हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। ऑनलाइन संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि ब्रह्माकुमारीज संस्थान के प्रयासों से देश को एक नई ऊर्जा और शक्ति मिलेगी। त्याग और कर्तव्य भाव से करोड़ों देशवासी आज स्वर्णिम भारत की नींव रख रहे हैं। ब्रह्माकुमारीज का प्रभाव पूरे विश्व में है। मुझे उम्मीद है आने वाले समय में इस अभियान में एक नई ऊर्जा का संचार होगा। उन्होंने कहा कि इस अभियान में स्वर्णिम भारत के लिए भावना भी है और साधना भी है। इसमें देश के लिए प्रेरणा भी है और ब्रह्माकुमारियों के प्रयास भी हैं। मैं देश के संकल्पों के साथ, देश के सपनों के साथ निरंतर जुड़े रहने के लिए ब्रह्माकुमारी परिवार का अभिनंदन करता हूँ। जब संकल्प के साथ साधना जुड़ जाती है, जब मानवमात्र के साथ हमारा ममभाव जुड़ जाता है, अपनी व्यक्तिगत उपलब्धियों के लिए इंद न म् का भाव जागने लगता है तो समझिए हमारे

संकल्पों के जरिए एक नए कालखंड का जन्म होने वाला है। एक नया सवेरा होने वाला है। सेवा और त्याग का यही अनुभव आज अमृत महोत्सव में नए भारत के लिए उमड़ रहा है। इसी त्याग और कर्तव्य भाव से करोड़ों देशवासी स्वर्णिम भारत की नींव रख रहे हैं। हमारे और राष्ट्र के सपने अलग-अलग नहीं हैं। हमारी नीति और सफलता अलग-अलग नहीं है। राष्ट्र की प्रगति में ही हमारी प्रगति है। हमसे ही राष्ट्र का अस्तित्व है और राष्ट्र से ही हमारा अस्तित्व है। यह भाव, यह बोध नए भारत के निर्माण में हमारी ताकत बन रहा है। आज दादी जानकीजी और राजयोगिनी दादी हृदयमोहिनी जी

सशरीर हमारे बीच उपस्थित नहीं हैं, लेकिन उनका आशीर्वाद महसूस हो रहा है। कुछ स्थल ऐसे होते हैं जिनमें एक अलग चेतना व ऊर्जा होती है। ये ऊर्जा उन महान व्यक्तियों की होती है जिनकी तपस्या से वन, पर्वत, पहाड़ भी जागृत हो उठते हैं। मानवीय प्रेरणाओं का केंद्र बन जाते हैं। माउंट आबू की आभा भी दादा लेखराज जैसे सिद्ध व्यक्तित्वों की वजह से निरंतर बढ़ती रही।

शेष पृष्ठ 2 पर >



“ ओम शांति मंत्र
से तनाव हो
जाता है दूर

मैं बचपन से ही यहां आता रहा हूँ। बचपन से ही दादियों के दर्शन करने और आशीर्वाद लेने का अवसर मिला। यहां दादियों ने मुझे मूलमंत्र दिया है कि जब भी आपको तनाव हो तो तीन बार 'ओम शांति' बोल दें तो सारा तनाव दूर हो जाता है। ओम शांति एक ऐसा मंत्र है जिसके उच्चारण से ही तनाव दूर हो जाता है। आज माउंट आबू अपनी पहचान देश-दुनिया में रखता है, उसके पीछे ब्रह्माकुमारीज आश्रम का विशेष योगदान है। हमारा मूलक वसुधैव कुटुम्बकम् की भावना वाला है। भारत की महान परंपरा रही है। ब्रह्माकुमारीज ने देशभर में पांच हजार केंद्रों पर हजारों प्रोग्राम करने का जो लक्ष्य रखा है वह अपने आप में बड़ी बात है। सरकार आजादी का अमृत महोत्सव मना रही है यह अच्छा कदम है। सत्य, अहिंसा के मार्ग पर चलकर ही हम समाज को आगे बढ़ा सकते हैं। जहां शांति होगी वहां विकास होगा। शांति, अहिंसा, भाईचारा यह हमारे मूलमंत्र हैं। इन्हें आगे बढ़ाने का कार्य ब्रह्माकुमारीज संस्था कर रही है। संस्था आने वाली पीढ़ी को अच्छे संस्कार देने का कार्य कर रही है।”

अशोक गहलोत

मुख्यमंत्री, राजस्थान

प्रधानमंत्री ने सात देशव्यापी अभियानों का किया शुभारंभ

● ब्रह्माकुमारीज के युवा प्रभाग, महिला प्रभाग, चिकित्सा प्रभाग, यातायात प्रभाग, शिपिंग-एविएशन प्रभाग, कृषि एवं ग्राम विकास प्रभाग सहित सभी 20 विंग्स के कार्यक्रम देशभर में चलेंगे, ब्रह्माकुमारीज से जुड़े भाई-बहन उमंग-उत्साह के साथ विश्व सेवा में जुटे ● गांव से लेकर महानगरों में प्रत्येक वर्ग के लिए कार्यक्रम

'एक भारत-श्रेष्ठ भारत' मोटर साइकिल यात्रा: सात दिन में पूरी की यात्रा

» शिव आमंत्रण, आबू रोड (राजस्थान)। ब्रह्माकुमारीज से जुड़े बीके राइडर्स टीम द्वारा 'एक भारत-श्रेष्ठ भारत मोटर साइकिल यात्रा' आबू रोड से नई दिल्ली तक निकाली गई। इसका शुभारंभ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने किया। रैली आबू रोड से अजमेर, जयपुर, ग्रेटर नोएडा होते हुए गुरुग्राम पहुंची, जहां इसका गरिमामय कार्यक्रम के रूप में समापन किया गया।

ये होंगे कार्यक्रम: मोटर साइकिल यात्रा के दौरान रास्तेभर ब्रह्माकुमार राइडर्स का स्वागत-सम्मान किया गया। हाईवे पर रिसोर्ट, क्लब, संस्थाओं में कुल मिलाकर 35 से अधिक कार्यक्रम आयोजित किए गए। इनके माध्यम से लोगों को राजयोग मेडिटेशन और आध्यात्म का संदेश दिया। साथ ही सुरक्षित सड़क यात्रा को लेकर लोगों को प्रेरित किया।

उद्देश्य: यात्रा का उद्देश्य सुरक्षित सड़क यात्रा को बढ़ावा देना रहा। यात्रा में शामिल सभी राइडर्स ने गति, संतुलन और सुरक्षा का संदेश दिया। पूरे सुरक्षा साधनों के साथ निकले इन युवाओं ने रास्ते में आने वाले शहरों में कार्यक्रम के माध्यम से लोगों को जीवन में आध्यात्म और राजयोग मेडिटेशन अपनाने के लिए प्रेरित किया।



1

कृषि-ग्राम विकास प्रभाग: आत्मनिर्भर किसान अभियान

» कृषि एवं ग्राम विकास प्रभाग की ओर से देशव्यापी 'देश की शान आत्मनिर्भर किसान अभियान' का शुभारंभ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा किया गया। इस अभियान के तहत देशभर में खेती-किसानी से जुड़े ग्रामीण, किसान वर्ग, सरकारी अधिकारी, कृषि वैज्ञानिक, सरपंच आदि के लिए सभा और सम्मेलनों का आयोजन किया जाएगा।

ये होंगे कार्यक्रम: 75 किसान सशक्तिकरण अभियान

- 75 किसान सम्मेलन
- 75 शाश्वत यौगिक खेती ट्रेनिंग कार्यक्रम
- 75 कृषि वैज्ञानिकों के लिए कार्यक्रम
- 75 कृषि अधिकारियों के लिए कार्यक्रम
- 75 सरपंच सम्मेलन

उद्देश्य: किसानों को व्यसनमुक्त बनाना।



2

आध्यात्मिकता का विकास। किसानों की आर्थिक खुशहाली, तरक्की, उन्नति की राह प्रशस्त करना। जैविक-यौगिक खेती को बढ़ावा देना। किसानों को प्रशिक्षण देकर जैविक खेती का महत्व बताना। सरपंचों को गांव के संपूर्ण विकास के लिए प्रेरित करना।

महिला प्रभाग: महिलाएं- नए भारत की ध्वजवाहक अभियान

» महिला प्रभाग द्वारा 'महिलाएं-नए भारत की ध्वजवाहक अभियान' की शुरुआत की गई। अभियान के माध्यम से महिलाओं को उनका महत्व बताना, उन्हें रचनात्मक कार्यों की ओर प्रेरित करके आध्यात्मिकता का विकास करना। भारत की पुरातन संस्कृति को बढ़ावा देना है।

ये होंगे कार्यक्रम: महिला सशक्तिकरण द्वारा समाज परिवर्तन विषय पर सम्मेलन एवं अभियान का आयोजन। बेटा बचाओ-शसक्त बनाओ और सुखी पारिवारिक जीवन के लिए मूल्य, संस्कार परिवर्तन एवं व्यवहार शुद्धि विषय पर सभा, सम्मेलन, संगोष्ठियों का आयोजन। रंगोली प्रतियोगिता, मेंहदी, व्यंजन बनाना, क्विज प्रतियोगिता आदि प्रतियोगिताओं का आयोजन।

उद्देश्य: महिलाओं में आध्यात्मिकता और मूल्यों



3

का विकास करके समाज परिवर्तन में उनकी भूमिका के प्रति कर्तव्यबोध कराना। बेटा बचाओ-सशक्त बनाओ की भावना का विकास करना। सुखी पारिवारिक जीवन के लिए मूल्यों को जीवन में अपनाने पर जोर देना।

युवा प्रभाग: शांति की शक्ति बस अभियान, 75 शहर पहुंचेगा

» युवा प्रभाग द्वारा शुरू किए गए देशव्यापी शांति की शक्ति बस अभियान का शुभारंभ भी प्रधानमंत्री ने किया। यह अभियान देश के 75 शहरों और तहसीलों में पहुंचेगा। इसके लिए खासतौर पर एक बस डिजाइन की गई है, जिसमें युवाओं को प्रेरित करने के लिए 3डी चित्रों के माध्यम से सजाया गया है। बीके भाई-बहनों का दल शामिल रहेगा।

ये होंगे कार्यक्रम: 75 डिजाइन योर डेस्टिनी कार्यक्रम। 75 दिव्य युवा मंच के तहत स्व सशक्तिकरण कार्यक्रम। राइज टू द वर्ल्ड कार्यक्रम के तहत स्वच्छ भारत, पौधारोपण और रक्तदान अभियान आयोजित किए जाएंगे।

उद्देश्य: युवाओं में बढ़ रहे तनाव को दूर करके उन्हें श्रेष्ठ लक्ष्य की ओर अग्रेसर करना। नशामुक्त करके स्वर्णिम भारत के निर्माण में



4

सहयोगी बनाना। उनमें आध्यात्मिकता का विकास और सकारात्मक प्रेरणा से देशभक्ति और स्व उन्नति की ओर प्रेरित करना। प्रकृति से जोड़ने के लिए पौधारोपण अभियान, स्वच्छता अभियान और समाजसेवा का भाव जागृत करने के लिए रक्तदान शिविर लगाए जाएंगे।

यातायात प्रभाग: सुरक्षित भारत सड़क सुरक्षा बाइक यात्रा

» यातायात प्रभाग द्वारा शुरू की गई 'सुरक्षित भारत सड़क सुरक्षा मोटर साइकिल यात्रा' का शुभारंभ भी प्रधानमंत्री मोदी ने वर्चुअल बटन दबाकर किया। यात्रा आबू रोड से बीकानेर के लिए रवाना की गई।

ये होंगे कार्यक्रम: 75 शहर/तहसीलों में सड़क सुरक्षा से जुड़े आयोजन होंगे। इनमें 75 मोटर साइकिल यात्रा और 75 शहरों को कवर किया जाएगा। खास बात ये है कि इनका शुभारंभ और समापन भारत के ऐतिहासिक स्थलों से किया जाएगा। स्कूल, कॉलेज, आरटीओ, पुलिस स्टेशन, पेट्रोल पम्प, ट्रांसपोर्ट कारपोरेशन आदि स्थानों पर कार्यक्रम होंगे।

उद्देश्य: सड़क दुर्घटनाओं को कम करने और रोकने के लिए लोगों को सड़क सुरक्षा के नियम बताना और यातायात के नियमों के मुताबिक



5

वाहन चलाने के लिए प्रेरित करना। वाहन सीमित गति में चलाने, सुरक्षा संकेतों का महत्व बताने के लिए कार्यक्रम। साथ ही स्पीड, सेफ्टी और स्पीचुअलिटी का आपस में संबंध स्पष्ट करना। ताकि लोग असमय दुर्घटना में काल के गाल में समाने से बच सकें।

शिपिंग एविएशन टूरिज्म प्रभाग: मेरा देश- मेरी शान अभियान

» शिपिंग एविएशन टूरिज्म विंग की ओर से देशव्यापी 'मेरा देश, मेरी शान अभियान' की शुरुआत की गई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने विरासत स्थलों के लिए समर्पित 'अनदेखा भारत साइकिल यात्रा' का शुभारंभ किया। ये यात्राएं देशभर में अलग-अलग सेवाकेंद्रों से निकाली जाएंगी।

ये होंगे कार्यक्रम: सच्चे भारतीय नायकों का सम्मान समारोह, पदयात्राएं, पारंपरिक वेशभूषा प्रतियोगिता, विरासत स्थलों के लिए साइकिल यात्रा, भारत हमको जान से प्यारा- प्रतिज्ञा पत्र, मातृभूमि को लोगों द्वारा पत्र लिखवाए जाएंगे। सात्विक जीवनशैली पर टॉक शो और प्रश्न-उत्तर का आयोजन।

उद्देश्य: मेरा देश-मेरी शान अभियान का उद्देश्य नागरिकों को भारत की प्राचीन और पुरातात्विक



6

धरोहर तक पहुंचकर उनका ऐतिहासिक, पौराणिक और धार्मिक महत्व से रुबरु कराना, पुरातन संस्कृति और सभ्यता को बढ़ावा देना है। साथ ही सात्विक जीवनशैली को अपनाने के लिए लोगों को प्रेरित करना, मातृभूमि के प्रति सच्ची देशभक्ति की भावना का विकास करना है।

चिकित्सा प्रभाग: माई इंडिया-हेल्दी इंडिया

» चिकित्सा प्रभाग की ओर से राष्ट्रीय माई इंडिया-हेल्दी इंडिया अभियान की लांचिंग की गई। इसके तहत पहले चरण में मुख्यालय आबू रोड में कोविड-19 टीकाकरण एवं जागरूकता अभियान चलाया गया। मेडिकल विंग की ओर से पांच एंबुलेंस और 40 मेडिकल स्टाफ की टीम ने गांव-गांव जाकर वैक्सीनेशन किया।

ये होंगे कार्यक्रम: कोविड-19 टीकाकरण एवं जागरूकता अभियान। देशभर के अलग-अलग नर्सिंग व मेडिकल कॉलेजों में कार्यक्रम, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों में 75 कार्यक्रम, गर्भ संस्कार विषय पर 75 कार्यक्रम, फॉर्मासिस्ट और चिकित्सा प्रतिनिधियों के लिए सम्मेलन और कैसर जांच शिविर का आयोजन।



7

उद्देश्य: कोविड-19 टीकाकरण एवं जागरूकता अभियान के माध्यम से लोगों में वैक्सीनेशन के लेकर व्याप्त भय, शंका और अफवाहों को दूर करने उन्हें वैक्सीन लगवाने के लिए काउंसलिंग करना, बीके मेडिकल टीम द्वारा टीकाकरण करना है। साथ ही मेडिकल क्षेत्र से जुड़े लोगों को आध्यात्मिकता का संदेश देना है।

राजयोगी राइडर्स ने सात दिन में पूरी की 1600 किमी की यात्रा

‘एक भारत-श्रेष्ठ भारत’ मोटर बाइक अभियान: आबू रोड से गुरुग्राम का सफर किया तय



शांतिवन में मोटर बाइक अभियान यात्रा के लौटने पर बीके राइडर्स का वरिष्ठ पदाधिकारियों का किया गया सम्मान।

■ शिव आमंत्रण, आबू रोड (राजस्थान)। एक भारत-श्रेष्ठ भारत का संकल्प लेकर शांतिवन से निकले बालब्रह्मचारी, राजयोगी ब्रह्माकुमार राइडर्स सात दिन में 1600 किमी की यात्रा कर वापस लौट आए। इस बीच कड़के की ठंड, बारिश और सर्द हवाओं के झोंके इन राजयोगी राइडर्स का उत्साह कम नहीं कर सके। अजमेर, जयपुर, दिल्ली एनसीआर होते हुए मोटर बाइक अभियान 25 जनवरी को हरियाणा के गुरुग्राम पहुंचा। रास्तेभर कई क्लब और संगठनों द्वारा राइडर्स का पुष्पवर्षा कर सम्मान किया गया। सात दिन में 35 कार्यक्रम के माध्यम से लोगों को राजयोग मेडिटेशन, स्वर्णिम भारत निर्माण और श्रेष्ठ भारत के प्रति जागरूक कर संदेश दिया गया। यात्रा पूरी कर राइडर्स के शांतिवन पहुंचने पर सम्मान समारोह आयोजित किया गया। आजादी के अमृत महोत्सव से स्वर्णिम भारत की ओर राष्ट्रीय अभियान के शुभारंभ पर 20 जनवरी को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वचुंअल हरी झंडी दिखाकर शांतिवन से गुरुग्राम मोटर बाइक अभियान का शुभारंभ किया था। समारोह में संस्थान के कार्यकारी सचिव बीके मृत्युंजय, पांडव भवन दिल्ली की निदेशिका बीके पुष्पा दीदी, खेल प्रभाग के मुख्यालय संयोजक बीके मोहन ने बाइक राइडर्स के होसले और साहस की सराहना की। मधुरवाणी ग्रुप ने देशभक्ति गीत की प्रस्तुति दी।

20
जनवरी को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने किया था वचुंअल शुभारंभ

35
से अधिक कार्यक्रम अभियान के दौरान आयोजित

10
राइडर्स मोटर बाइक अभियान में थे शामिल

27
जनवरी को वापस शांतिवन पहुंचे राइडर्स

राइडर्स टीम में ये भी रहे शामिल

मोटर बाइक अभियान टीम में बीके शक्तिराज, बीके प्रदीप, बीके मंजुनाथ, बीके प्रीतम, बीके राजेंद्र, बीके ऋषि, बीके श्रीधर और बीके पराशुमन भी शामिल रहे।

पहले दिन 350 किमी की दूरी तय की

पहले दिन 350 किमी की यात्रा पूरी कर अजमेर पहुंचे। जहां दूसरे दिन अजमेर से जयपुर पहुंचे। यहां विभिन्न संगठनों में राजयोग मेडिटेशन का संदेश दिया। तीसरे दिन दिल्ली से एनसीआर फिर गुरुग्राम पहुंचे, जहां समापन समारोह आयोजित किया गया।

- बीके जयसिन्हा, टीम लीडर व डायरेक्टर, सोलर पॉवर प्रोजेक्ट, शांतिवन, आबू रोड

दस साल से कर रहे हैं बाइक राइड

हम लोग राजयोग मेडिटेशन के साथ दस साल से बाइक राइड कर रहे हैं। बाइक से लद्दाख की यात्रा भी कर चुके हैं। इस दौरान कई विषम परिस्थितियों का सामना किया लेकिन कभी हमारा हौसला कमजोर नहीं हुआ। यह देखकर अन्य राइडर्स ने भी मेडिटेशन सीखने की इच्छा जताई।

- बीके व्यंकटेश, टीम लीडर व डायरेक्टर, फिल्म डिवीजन डिपार्टमेंट, शांतिवन, आबू रोड

18 हजार फीट पर फहराया शिव ध्वज

एक बार हमारी टीम के राइडर्स 18 हजार फीट की ऊंचाई पर परमात्मा शिव बाबा का ध्वज लहरा चुके हैं। वहां जाकर लोगों को राजयोग मेडिटेशन का भी संदेश दिया है। भारत में राइडर्स के 5 हजार ग्रुप हैं जिन्हें जोड़ने का लक्ष्य हमारी टीम ने रखा है।

- बीके राजशेखर, टीम लीडर व संचालक, किचन विभाग, शांतिवन, आबू रोड

देशभर में कार्यक्रम करने का लक्ष्य

शांतिवन के राजयोगी, बालब्रह्मचारी राइडर्स टीम ने देशभर में कार्यक्रम आयोजित करने का लक्ष्य रखा है। हमें बहुत गर्व होता है कि राजयोगी राइडर्स की टीम अपने शौक के साथ लोगों को आध्यात्म और राजयोग मेडिटेशन का भी संदेश दे रही है।

- बीके जगबीर, राष्ट्रीय समन्वयक, खेल प्रभाग, ब्रह्माकुमारीज, शांतिवन, आबू रोड

मेडिकल विंग का वैक्सीनेशन और जागरूकता अभियान

21 जनवरी से 31 जनवरी तक चला अभियान

05 एंजुलेंस ने प्रथम चरण में सेवाएं दीं	30 गांव किए गए कवर	10 दिन आबू रोड तहसील में चला अभियान	40 मेडिकल स्टाफ ने दीं सेवाएं
---	------------------------------	---	---



■ शिव आमंत्रण, आबू रोड। ब्रह्माकुमारीज की सहयोगी संस्था राजयोग एजुकेशन एंड रिसर्च फाउंडेशन के मेडिकल विंग द्वारा कोविड-19 टीकाकरण और जागरूकता अभियान शुरू किया गया। इसे आजादी के अमृत महोत्सव से स्वर्णिम भारत की ओर अभियान के तहत चलाया जा रहा है। संस्थान के कार्यकारी सचिव बीके मृत्युंजय और मेडिकल विंग के सचिव डॉ. बनारसी लाल शाह ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। मेडिकल विंग और सिविल हॉस्पिटल की टीम द्वारा 21 जनवरी से 31 जनवरी तक आबू रोड तहसील के गांव-गांव जाकर लोगों को वैक्सीन लगाई गई। साथ ही ग्रामीणों में वैक्सीन को लेकर जो भ्रम की स्थिति है उसे दूर किया गया। पांच एंजुलेंस में 40 लोगों की टीम ने पहले चरण में 30 गांव कवर किए। एक हजार से अधिक लोगों को वैक्सीन लगाई गई। अभियान में डॉ. पूर्वी, बीके कृष्णा और बीके पवित्र व अन्य भाई-बहनों ने सेवाएं दीं।

रंगोली में उकेरे मन के भाव

1000 रंगोली प्रतियोगिता देशभर में आयोजित

400 कविताएं बीके भाई-बहनों ने लिखीं

- आजादी के अमृत महोत्सव से स्वर्णिम भारत की ओर अभियान के तहत आयोजन
- ब्रह्माकुमारीज से जुड़े भाई-बहनों ने उत्साह से लिया रंगोली प्रतियोगिता में भाग

■ शिव आमंत्रण, आबू रोड (राजस्थान)। मन की कल्पनाओं और भावनाओं को जब ब्रह्माकुमार भाई-बहनों ने रंगोली के माध्यम से आकार दिया तो स्वर्णिम भारत की झलक साकार हो उठी। आजादी के अमृत महोत्सव से स्वर्णिम भारत की ओर अभियान के तहत देशभर में ब्रह्माकुमारीज संस्थान के 1000 से अधिक सेवाकेंद्रों पर रंगोली बनाओ प्रतियोगिता आयोजित की गई। इसमें लोगों ने उत्साह के साथ बहुरंगीन भाग लिया। साथ ही कविता प्रतियोगिता में देशभर से 400 से अधिक कविताएं अमृत महोत्सव और स्वर्णिम भारत को लेकर लिखी गईं। इन कविताओं में स्वर्णिम भारत की झलक के साथ नवयुग, राष्ट्रप्रेम, पुरातन भारतीय संस्कृति, सभ्यता और आध्यात्म के साथ हमारी धरोहर योग को शब्दों के माध्यम से आकार दिया गया। इसमें मुख्य रूप से संस्थान के अंतरराष्ट्रीय मुख्यालय शांतिवन आबू रोड, शांति सरोवर रायगढ़, छग, ओआरसी दिल्ली सहित अन्य स्थानों पर बड़े आकार की रंगोली बनाई गई। इसमें भारत माता को स्वर्णिम आभा से ओतप्रोत और सुख-शांति संपन्न दुनिया को दिखाया गया।



देश की खुशहाली, तरक्की की उकेरी तस्वीर...

देशभर में सेवाकेंद्रों पर बनाई गई रंगोली के माध्यम से आजादी के संघर्ष की गाथा, वीर जवान, आजादी के सिपाही के साथ भारत की विरासत, प्राचीन धरोहरें, स्वच्छ पर्यावरण, जल संरक्षण, पर्यावरण संरक्षण, मेरा भारत- स्वर्णिम भारत, तकनीकी और वैज्ञानिक सक्षमता और देश की खुशहाली और तरक्की की तस्वीर इन रंगोली के माध्यम से उकेरी गई।

समाधान परक पत्रकारिता की जरूरत: प्रो. द्विवेदी

भारतीय जनसंचार संस्थान के निदेशक प्रो. संजय द्विवेदी ने रखे अपने विचार

शांतिवन में तीन दिवसीय मीडिया ट्रेनिंग एवं योग-तपस्या भट्टी आयोजित



» शिव आमंत्रण, आबू रोड। वर्तमान परिस्थितियों के हिसाब से आज देश में समाधान परक पत्रकारिता की जरूरत है। पश्चिमी देशों में नकारात्मक खबरों को प्रमुखता से स्थान दिया जाता रहा है, जिसका अनुशरण भारतीय मीडिया ने भी किया है। हमारे देश में शास्त्रार्थ करके किसी समस्या का समाधान निकालने की परंपरा रही है। समाज में बदलाव और समृद्ध भारत के स्वप्न को साकार करने के लिए मीडिया को प्रमुखता से अपनी जिम्मेदारी निभाना होगी। मीडिया समाचारों में समस्या के साथ समाधान पर भी बात करे। इससे बेहतर समाज का निर्माण हो सकेगा। उक्त उद्गार नई दिल्ली स्थित भारतीय जनसंचार संस्थान के निदेशक प्रो. संजय द्विवेदी ने व्यक्त किए। वह ब्रह्माकुमारीज की सहयोगी संस्था राजयोग एजुकेशन एंड

रिसर्च फाउंडेशन के मीडिया विंग द्वारा शांतिवन में आयोजित तीन दिनी राष्ट्रीय मीडिया ट्रेनिंग को ऑनलाइन संबोधित कर रहे थे। इस दौरान मीडिया विंग द्वारा देशभर में होने वाली सभा, सम्मेलन कार्यक्रमों की राष्ट्रीय लॉन्चिंग की गई। संस्थान के कार्यकारी सचिव बीके मृत्युंजय, मीडिया विंग के उपाध्यक्ष बीके आत्म प्रकाश, नेशनल को-ऑर्डिनेटर बीके सुशांत, पीआरओ बीके कोमल, ओम शांति पत्रिका के संपादक बीके गंगाधर ने भी अपने विचार व्यक्त किए। वरिष्ठ पदाधिकारियों का सम्मान किया।



● प्रो. संजय द्विवेदी, निदेशक, भारतीय जनसंचार संस्थान, नई दिल्ली

हमें स्वर्णिम भारत का निर्माण करना है



हमें स्वर्णिम भारत का निर्माण करना है। हमारी ऋषि परंपरा, वसुधैव कुटुंबकम् की परंपरा रही है। ऋषि लोककल्याण के लिए होते हैं। पत्रकारिता का काम सिर्फ सवाल खड़े करना ही नहीं है, बल्कि लोकोपकारक समाधान भी प्रस्तुत करना है। पत्रकारिता पर नवनिर्माण की बड़ी जिम्मेदारी है।

● प्रो. बलदेव भाई शर्मा, कुलपति, कुशाभाऊ ठाकरे पत्रकारिता एवं जनसंचार विश्वविद्यालय, रायपुर, छग

विश्व एक परिवार है



ब्रह्माकुमारीज संस्थान स्थापना के समय से ही एक विश्व, एक ईश्वर, एक परिवार की थीम के साथ कार्य कर रही है। इसी उद्देश्य को पूरा करने के लिए दिनरात सेवा में जुटी है। मीडिया में जनमानस और समाज का नजरिया और सोच बदलने की ताकत है। वर्षभर चलने वाले इस अभियान के तहत पत्रकारों को समाधान परक पत्रकारिता की ओर से अग्रसर करने में हमारा प्रयास रहेगा। इसके लिए देशभर में कार्यक्रम किए जाएंगे।

● बीके करुणा, अध्यक्ष, मीडिया विंग, ब्रह्माकुमारीज, शांतिवन

सभी मिलकर करेंगे काम



ब्रह्माकुमारीज के मीडिया विंग ने जो समाधान परक पत्रकारिता का बीड़ा उठाया है उसमें विश्वविद्यालय परिवार पूरे मनोभाव से आपके साथ खड़ा है। हम सभी मिलकर मीडिया हाऊस, पत्रकार संगठन आदि में कार्यक्रमों के जरिए उक्त विषय पर चिंतन-मनन और प्रशिक्षण कार्य करेंगे।

● प्रो. केजी सुरेश, कुलपति, माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय, भोपाल, मप्र

सभी मिलकर करेंगे काम



यहां से प्रशिक्षण लेकर आप सभी अपने-अपने कार्यक्षेत्र में सभा, सम्मेलन और गोष्ठीयों का आयोजन करें। साथ ही पत्रकारों को उपरोक्त विषय पर कार्य करने के लिए प्रेरित करें।

● बीके शांतनु, मुख्यालय समन्वयक, मीडिया विंग, शांतिवन

रैली से दिया कैंसर से बचने का संदेश

विश्व कैंसर दिवस: मेडिकल विंग ने आबू रोड के तलहटी क्षेत्र में निकाली जनजागरूकता रैली



» शिव आमंत्रण, आबू रोड। ब्रह्माकुमारीज संस्थान के मेडिकल विंग की ओर से विश्व कैंसर दिवस पर तलहटी क्षेत्र और शांतिवन परिसर में जन जागरूकता रैली निकाली गई। आजादी के अमृत महोत्सव से स्वर्णिम भारत की ओर अभियान के तहत निकाली गई इस रैली में बीके भाई-बहनों हाथों में कैंसर से बचाव का संदेश देती तख्तियां, बैनर और पोस्टर लेकर चल रहे थे। रैली को हरी झंडी दिखाते हुए ग्लोबल हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर, माउंट आबू के डायरेक्टर डॉ. प्रताप मिड्डा ने कहा कि राजयोग मेडिटेशन ही वह संजीवनी बूटी है जिसके प्रयोग और अभ्यास से हम कैंसर जैसी गंभीर बीमारी से बच सकते हैं। इससे हमारी बाँडी में पॉजीटिव सेल्स बढ़ते हैं जो निगेटिव सेल्स को खत्म करते हैं। 3डी हार्टकेयर तकनीक डायरेक्टर डॉ. सतीश गुप्ता ने कहा कि हमें जीवन में संयमित रहते हुए जीना होगा। मेडिकल विंग के सचिव डॉ. बनारसी लाल शाह ने कहा कि ज्यादातर बीमारियों का कारण मानसिक अस्वस्थता ही है। जिसका निदान राजयोग मेडिटेशन में समाया हुआ है।

1000+ सहभागी
01 किमी लंबी रैली

जरूरतमंदों के लिए बांटे कंबल



» ग्राम उपलाखेजड़ा में जरूरतमंदों के लिए कंबल वितरित करते हुए बीके यशवंत।

» शिव आमंत्रण, आबू रोड। ग्राम पंचायत उपलाखेजड़ा में रेडियो मधुबन की ओर से आजादी के अमृत महोत्सव से स्वर्णिम भारत की ओर अभियान के तहत कंबल वितरण किया गया। ग्रामीणों को राजयोग मेडिटेशन का महत्व बताते हुए जीवन में अपनाते की सीख दी। रेडियो मधुबन (90.4 एफएम) के स्टेशन हेड बीके यशवंत पाटिल ने कहा कि रेडियो मधुबन का प्रयास रहा है कि आप लोगों को अपनी बोली में लोकसंगीत और ज्ञानवर्द्धक जानकारी पहुंचाई जाए। ग्रामीणों ने कहा कि हम सभी लोग रोजाना रेडियो मधुबन मोबाइल पर सुनते हैं। आरजे रमेश ने राजयोग मेडिटेशन के फायदों से रूबरू कराया। सरपंच रेखा देवी गारासिया ने जरूरतमंदों की मदद के लिए रेडियो मधुबन के प्रयासों की सराहना करते हुए इसे समाजसेवी कदम बताया। इस दौरान पंचायत समिति सदस्य देवाराम गारासिया, रेशमा राम गारासिया, ऋषि, विनोद सिंघानिया सहित पास की ग्राम पंचायत के पंचायत प्रतिनिधि, महिलाएं, बच्चे और बुजुर्ग मौजूद रहे।

तलहटी क्षेत्र में चलाया स्वच्छता अभियान

● ब्रह्माकुमारी भाई-बहनों ने थामी झाड़ू सड़कों को किया साफ

● आजादी के अमृत महोत्सव से स्वर्णिम भारत की ओर अभियान के तहत आयोजन



200+ सहभागी

50+ ब्रह्माकुमारी बहनों ने भी थामी झाड़ू

» शिव आमंत्रण, आबू रोड (निप्र)। ब्रह्माकुमारीज संस्थान द्वारा तलहटी क्षेत्र में आजादी के अमृत महोत्सव से स्वर्णिम भारत की ओर अभियान के तहत स्वच्छता अभियान चलाया गया। इसमें 200 से अधिक भाई-बहनों ने हाथों में झाड़ू थामकर सड़क के दोनों ओर सफाई की। साथ ही आसपास के लोगों से अपने घरों व दुकानों के पास सफाई रखने की समझाइश दी। सफाई अभियान में बच्चों से लेकर बुजुर्ग भाई-बहनों ने भाग लिया और उत्साह के साथ साफ-सफाई की। कचरे को पॉलीथिन बैग में भरकर ट्रॉली से ट्रेचिंग ग्राउंड भिजवाया गया। संस्थान के कार्यकारी सचिव बीके मृत्युंजय ने कहा कि देशभर में संस्थान से जुड़े सेवाकेंद्रों पर सफाई अभियान चलाया जाएगा। मेरा सभी दुकानदारों और नागरिकों से आह्वान है कि अपने घरों और दुकानों को आसपास सफाई बनाकर रखें। दुकान के बाहर एक डस्टबिन जरूर लगाएं। इस मौके पर ब्रह्माकुमारीज संस्थान के पीआरओ बीके कोमल, बीके शिविका, बीके भानु, बीके बुरहान सहित दो सौ से अधिक भाई-बहनों ने भाग लिया।

संपादकीय

शक्ति स्वरूप महिला बन सकती है देवी

मार्च 2022 का महीना शक्ति स्वरूप बनने का महीना है। क्योंकि इस महीने की पहली तारीख को ही महाशिवरात्रि का पर्व है। जो परमात्मा शिव के इस दुनिया में अवतरित होकर नारी को लक्ष्मी और नर को नारायण जैसा बनाने की शिक्षा का यादगार दिवस है। दूसरा 8 मार्च को महिला दिवस है। जिस दिन पूरी दुनिया में महिलाओं के अधिकारों और उसे शक्ति स्वरूप बनाने की चर्चा की जाती है। 11 मार्च को ब्रह्माकुमारी संस्थान की पूर्व मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी दादी हृदयमोहिनी जी की पहली पुण्यतिथि है। जबकि 25 मार्च को वर्तमान संस्थान प्रमुख राजयोगिनी दादी रतनमोहिनी जी का 98वां जन्मदिन है। इसके साथ ही 27 मार्च को संस्थान की पूर्व प्रमुख राजयोगिनी दादी जानकी जी की द्वितीय पुण्य तिथि है। तीनों ही इवेंट इस बात का प्रतीक है कि नारी के शक्ति स्वरूप की ही यादगार है। यह महीना इसलिए खास है कि अर्धनारेश्वर परमात्मा शिव की जयंती और महिला दिवस दोनों ही अपने आप में विशेष हैं। इस दिन यदि हम शिवरात्रि पर परमात्मा शिव की स्मृति में अपने अंदर की बुराइयों को समाप्त करते हुए जीवन में मूल्यों को स्थान दें तो यह जीवन में साधारण से दिव्य बन जाएगा। यह सही वक्त है कि हम अपने शक्ति स्वरूप को पहचानें और खुद के साथ दुनिया से बुराइयों को विदा करें। ब्रह्माकुमारी संस्थान पूरी दुनियाभर में नारी को शक्ति बनाने का महान कार्य किया है। इसलिए इन अनुभवों का लाभ लेकर जीवन को महान बनाने का प्रयास करना चाहिए।



बोध कथा/जीवन की सीख

शिष्यों की मन की हालात

संसार में घटनाएं समान रूप से घटती हैं कोई उन्हीं घटनाओं से सुख प्राप्त करता है, कोई दुःखी होता है।

एक बार एक सेठ ने पंडित जी को निमंत्रण दिया। लेकिन पंडितजी का एकादशी का व्रत था तो वह जा नहीं सके। इसकी जगह उन्होंने अपने दो शिष्यों को सेठ के यहां भोजन के लिए भेज दिया। जब दोनों शिष्य वापस लौटे तो उनमें एक शिष्य दुःखी और दूसरा प्रसन्न था। पंडित जी को देखकर आश्चर्य हुआ और पूछा बेटा क्यों दुःखी हो - क्या सेठ ने

उसने कहा- गुरु जी मैं जानता था सेठ बहुत कंजूस है, आठ आने से ज्यादा दक्षिणा नहीं देगा पर उसने 2 रुपए दे दिए तो मैं प्रसन्न हूं। यही हमारे मन का हाल है। संसार में घटनाएं समान रूप से घटती हैं पर कोई उन्हीं घटनाओं से सुख प्राप्त करता है, कोई दुःखी होता है। असल में न दुःख है, न सुख। ये हमारे मन की स्थिति पर निर्भर है। इसलिए मन प्रभु में लगाओ।

क्योंकि-कामना पूरी न हो तो दुःख और कामना पूरी हो जाए तो सुख। लेकिन यदि कोई कामना ही न हो तो आनंद... जिस शरीर को लोग सुंदर समझते हैं। मौत के बाद वही शरीर सुंदर क्यों नहीं लगता? उसे घर में न रखकर जला क्यों दिया जाता है? जिस शरीर को सुंदर मानते हैं। जरा उसकी चमड़ी तो उतार कर देखो। तब हकीकत दिखेगी कि भीतर क्या है? भीतर तो बस रक्त, रोग, मल, और कचरा भरा पड़ा है। फिर यह शरीर सुंदर कैसे हुआ?

भोजन में अंतर कर दिया? नहीं गुरु जी। क्या सेठ ने आसन में अंतर कर दिया? नहीं गुरु जी, क्या सेठ ने दक्षिणा में अंतर कर दिया? नहीं गुरु



जी। अब तो गुरु जी को और भी आश्चर्य हुआ और पूछा फिर क्या कारण है? जो तुम दुःखी हो? इस पर दुःखी शिष्य बोला- गुरु जी मैं तो सोचता था सेठ बहुत बड़ा आदमी है। कम से कम 10 रुपए दक्षिणा देगा, पर उसने 2 रुपए दिए, इसलिए मैं दुःखी हूं। अब दूसरे से पूछा तुम क्यों प्रसन्न हो?

संदेश: शरीर में कोई सुंदरता नहीं है। सुंदर होते हैं व्यक्ति के कर्म, उसके विचार, वाणी, व्यवहार, संस्कार और उसका चरित्र। जिसके जीवन में यह सब है, वही इंसान दुनिया का सबसे सुंदर शख्स है।

राजनीति में उन्नति के लिए मेडिटेशन जरूरी



मेरी कलम से

अंबादास दानवे

महाराष्ट्र विधान परिषद के सदस्य व शिवसेना पार्टी के प्रवक्ता

पढ़ाई मैंने सिर्फ 6 क्लास किया। मगर मेहनत से सब कुछ संभव हो सका...

मैं छह साल पहले ब्रह्माकुमारीज से जुड़ा हूं। यहां सात दिन का राजयोग मेडिटेशन का कोर्स करने के बाद मेरे धर्म और आध्यात्म से जुड़े कई सवालों के जवाब मिल गए। राजनीतिक जीवन में रोजाना अनेकों लोगों से मिलना होता है। उनकी समस्याओं को सुलझाना और काम कराना होता है। एक साथ कई तरह के चैलेंज होते हैं। ऐसे में राजयोग के अभ्यास से हम खुद को प्रसन्न और खुशहाल रख पाते हैं। व्यक्ति को निजी जिंदगी के साथ राजनीतिक जीवन में भी तरक्की के लिए

आध्यात्म और योग जरूरी है। मेडिटेशन के अभ्यास से मेरी जिंदगी में इतने बदलाव आए हैं जिन्हें मैं बता नहीं सकता हूं। पहले जहां देर से सोकर उठता था वहीं अब सुबह 4 बजे उठकर परमात्मा का ध्यान करता हूं। परमात्मा के महावाक्यों को

सुनता हूं। इससे हमें दिनभर के लिए सही गाइडेंस मिल जाता है और मन में सदा सकारात्मक चिंतन बना रहता है। राजयोग सीखने के बाद मेरे सोचने, कार्य करने का नजरिया सकारात्मक हो गया है। यहां समाज बदलाव के लिए कई अभियान चलाए जा रहे हैं। स्व परिवर्तन से विश्व परिवर्तन के इस संकल्प से स्वर्णिम युग आ रहा है। ये संस्था ही स्वर्णिम युग ला सकती है। संस्था से जुड़ने के बाद व्यक्ति के जीवन में निश्चित तौर पर परिवर्तन आता है। आजादी के अमृत महोत्सव से स्वर्णिम भारत की ओर जैसे अभियान से ही भारत में स्वर्णिम युग लाने के सपने को साकार कर सकते हैं।



महान जीवन और पवित्र स्वरूप...



जीवन का मनोविज्ञान भाग - 44

डॉ. अजय शुक्ला

बिहेवियर साइंटिस्ट, गोल्ड मेडलिस्ट इंटरनेशनल ह्यूमन रीडिंग्स मिलोनियम अवार्ड डायरेक्टर (एपीयुअल रिसर्च स्टडी एंड एजुकेशनल ट्रेनिंग सेंटर, बंगाली, देवास, मप)

सद्गुणों की आत्मिक अनुभूति का नैसर्गिक स्वरूप

अंतर्मुखी जीवन में समर्पण का बोध परमात्म ज्ञान के प्रति निष्ठा को प्रतिपादित करता है जिससे स्वयं का परिवर्तन ही रूपांतरण के संदर्भ में पवित्रता का आधार बनता है। महान जीवन के लिए पवित्रता की स्वीकारोक्ति ईश्वरीय सत्ता में मगन होने की श्रेष्ठ अवस्था है जिसमें लगन-मनन की अनुभूति का धारणात्मक पक्ष प्रमुख होता है। आत्म और परमात्मा ज्ञान से स्वयं को शक्तिशाली बनाकर बेहद की वैराग्यवृत्ति का निज सुख न्यारे एवं प्यारे स्वरूप का स्तंभ है, जिसमें पूज्य भाव समाहित रहता है। परिवर्तन की प्रक्रिया में स्वयं को ढालकर गुणवान स्वरूप में आधारमूर्त, उद्धारमूर्त, कल्याणकारी व्यवहार आत्मजगत को अनुभवीमूर्त बनाता है। जो उदाहरण मूर्त मंगलकारी साक्षात्कार मूर्त स्वरूप की अभिव्यक्ति का केंद्र है। एकाग्रता से विकसित चिंतनशीलता आत्मा का नैसर्गिक गुण है जो अंतर्जगत से विजयी मूर्त स्वरूप में सफलताओं की उपलब्धि पूर्ण गरिमा से पूर्णतः निश्चित कर देता है।

चेतना की प्रवृत्ति में पवित्र आत्मिक स्वरूप पवित्र आत्मिक स्वरूप की संपूर्णता जीवन

की वह श्रेष्ठतम प्राप्ति है जिसके परिदृश्य में चेतना की ऊर्द्धगामी चिंतनशील अवस्था का आभामंडल महत्वपूर्ण घटक के रूप में प्रेरणादाई भूमिका निभाता है। चेतना से जुड़ी गतिशीलता को ईश्वरीय शक्ति निरंतर प्रवाहमान बनाए रखती है, जिसमें आत्म तत्व और परमात्मा से सर्वसंबंध निभाने की स्मृति का नैसर्गिक बल कार्यरत रहता है। आत्मचित्र का चरित्र जब पूर्ण चैतन्य होकर मुखरित होता है, तब सूक्ष्म शक्तियों एवं गुणों का स्वरूप व्यावहारिक जगत में आत्मिक संपन्नता का प्रामाणिक आधार बन जाता है। संतुष्टिगत स्वरूप आत्मा की उच्चता को स्थिरता द्वारा स्वदर्शन से बेहद की प्राप्ति के साथ कर्मजगत की पवित्रता से आंतरिक आनंद को पूर्णता प्रदान करने में सहायक होता है। आत्मगत महानता, समर्थ प्रबल पुरुषार्थ से चेतनता के मूलभूत श्रेष्ठतम स्वभाव को संस्कारगत परिवेश में आत्मसात करके आत्मा के स्वमान से परिष्कृत होकर पवित्र आत्मिक स्वरूप में अभिव्यक्त होती है। **महान जीवन की स्थापना का श्रेष्ठ मापदंड** जीवन की दिव्यता से कर्मयोगी व्यवहार में उपराम स्थिति द्वारा कर्मातीत अवस्था जब अव्यक्त स्वरूप में रूपांतरित होती है तब आत्मा संपूर्ण साक्षी भाव का दिग्दर्शन करती है। आत्मा के मूलभूत स्वभाव में आत्मगत स्वमान और स्वरूप का अभ्यास करने से

आदि, मध्य एवं अंत के ज्ञान का सदुपयोग संपूर्ण आत्महित में सुनिश्चित होता है। रूहानी याद की यात्रा कर्मयोग के व्यावहारिक पक्ष से आत्मज्ञान की धारणा कल्याणकारी बनकर गुण एवं शक्ति के आधार से परमसत्ता के साथ पवित्रता को प्राप्त करती है। देवात्मा के चित्त एवं चरित्र की गाथा का स्थायित्व स्वयं की स्थिति को बहुमूल्य बनाता है, जिसमें श्रेष्ठता का निर्माण सहज ही आत्म तत्व द्वारा स्वीकृत हो जाता है। अलौकिक शक्तियों तथा गुणों से सुसज्जित आत्मा साक्षी भाव की स्थिति में स्थापित होकर परमात्म शक्ति से प्रकृति के तत्वों को साकाश देकर पवित्र वातावरण का निर्माण करती है।

ज्ञानार्थ के आरंभ से सेवार्थ की संपूर्णता सुखदाता द्वारा संपूर्ण जगत से सुख प्राप्त करने की गुणग्राही दृष्टिकोण को विकसित करना ही सर्व आत्माओं को सुख देना है, जिसमें आत्म एवं परमात्म संबंधों की सूक्ष्मता विद्यमान रहती है। आत्मज्ञान का बोध व्यावहारिक पृष्ठभूमि में जीवन की विराटता है जो अनुभूति जगत को सरल बनाता है और आत्मा की सर्वगुण संपन्नता नैसर्गिक संपूर्णता को प्रतिपादित करती है। स्वयं के जीवन में सुखदेव बनने की प्रक्रिया संपन्न होना स्व के साथ संबंध और संपूर्ण सुख के मूलभूत स्रोत से सुख प्राप्ति ही आत्मज्ञान को आत्मसात करना है। आत्मज्ञान की सत्यता आत्म स्वाभिमान का व्यक्त स्वरूप है जिसमें कर्म दर्शन सर्व के लिए नियम और संयम का प्रारूप बनकर सेवार्थ के भाव जगत में परिणीत होता है। जीवन में ज्ञान प्राप्ति का अधिकार एवं सेवा की कर्तव्य-परायणता, अधिकारी स्वरूप में अनुभवी बनाती है जिसके सानिध्य में सेवार्थ की संपूर्णता का परिदृश्य स्वतः ही निर्मित हो जाता है।



“

अहिंसा सबसे बड़ा धर्म है। दूसरों के दुःखों को देखकर दुःखी होना और उनके दर्द दूर करने का प्रयत्न करना अहिंसा है।”

महावीर स्वामी, संस्थापक, जैन धर्म



“

अपने आत्मबल को जगाने वाला, खुद को पहचानने वाला और मानव जाति के कल्याण की सोच रखने वाला, पूरे विश्व पर राज्य कर सकता है।”

छत्रपति शिवाजी महाराज

सोचना कैसे है, यह मूलमंत्र ब्रह्माकुमारीज़ में मिलता है

सोनाली निकम

टीवी एक्ट्रेस

बॉलीवुड एवं टीवी एक्ट्रेस सोनाली निकम ने शिव आमंत्रण से साझा किए अपने जीवन से जुड़े अनुभव



» शिव आमंत्रण, आबू रोड। हमारी सोसायटी में धर्म को लेकर बहुत सी चीजों में कन्फ्यूजन की स्थिति है। इसलिए मेरे मन में भी धर्म, व्रत आदि को लेकर कई सवाल रहते थे कि क्या सही है और क्या करना चाहिए। एक दिन अचानक चैनल सर्च करते-करते आस्था लग गया और उस समय शिवानी दीदी की स्पीच चल रही थी। दीदी के कुछ शब्द सुनते ही पूरी क्लास सुनने का मन हुआ और उस दिन वह क्लास इतनी अच्छी लगी कि रोज दीदी की क्लास सुनने लगी और बहुत अच्छा लगने लगा। इस तरह मेरी लाइफ में बदलाव आने शुरू हो गए। मन शांत होने से खुश रहने लगी। जीवन से जुड़े कई अनुभव शिव आमंत्रण से विशेष बातचीत में बॉलीवुड एवं टीवी एक्ट्रेस सोनाली निकम ने साझा किए। टीवी एक्ट्रेस सोनाली ने कई सारे फेमस सीरियल 'गोदभराई', 'एक विवाह ऐसा भी', 'गीत हुई सबसे प्यारी' आदि में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

उन्होंने कहा कि पहले मुझे भक्ति में बहुत विश्वास था। जब मैं कॉलेज में थी तो एक दिन साईं बाबा का उपवास रखा। उस दिन जब मैं कॉलेज से घर आई तो मेरी मां मुझे भूखा देखकर काफी दुखी थीं। उन्हें इस तरह दुःखी देखकर मेरे मन में संकल्प आया कि जब मेरे उपवास से मेरी मां ही खुश नहीं हैं तो भगवान कैसे खुश हो सकते हैं? हम भी तो उनके बच्चे हैं। तब मुझे लगा कि कहीं न कहीं कुछ कमी है। क्योंकि मैं कोई कार्य अपनी मां को दुखी करने के लिए नहीं करना चाहती थी। इसलिए उस दिन से मैंने उपवास छोड़ दिया। दीदी की क्लास से मुझे प्रेरणा

मिली और सीखा कि हमें उपवास अन्न का नहीं अपने मन में चलने वाले बुरे विचारों, नकारात्मक विचारों, अपनी गलत आदतों का करना है। फिर मैंने सप्ताह में एक दिन, एक संकल्प लेकर जो छोटी-छोटी चीजें तकलीफ दे रही थीं उन पर ध्यान देना शुरू किया। अपनी कोई एक आदत बदलने के संकल्प से विचारों का उपवास शुरू कर दिया। धीरे-धीरे मुझमें परिवर्तन आने लगा। पहले मुझे बहुत गुस्सा आता था लेकिन राजयोग मेडिटेशन की प्रैक्टिस से आज न के बराबर आता है। ज्यादातर समय खुश ही रहती हूँ।

यहां दिया जाता है सोचने की कला का ज्ञान

उन्होंने कहा कि हमें बचपन से घर में सबकुछ सिखाया जाता है कि ऐसे बैठना है, ऐसे चलना-फिरना और व्यवहार करना है। लेकिन यह नहीं सिखाया जाता है कि सोचना कैसे है। यह सोचने की कला और खुद के बारे में गहराई से जानने की कला ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान में सिखाई जाती है। यदि मेरी भावना मेरे प्रति अच्छी है, शुभ है तो हमें बोलने पर ध्यान ही नहीं देना है, वह स्वाभाविक रूप से दूसरों के लिए भी अच्छी ही होगी। यहां के आध्यात्मिक ज्ञान से सबसे महत्वपूर्ण हमें अपने मन, विचार की शक्ति का ज्ञान होता है। राजयोग मेडिटेशन से

अब खुद ही निकाल लेते हैं समस्या का समाधान

पहले मैं छोटी-छोटी बातों के समाधान के लिए दूसरों के पास सलाह लेने के लिए जाती थी लेकिन अब इस आध्यात्मिक ज्ञान को मिलने के बाद खुद ही इन समस्याओं का समाधान निकाल लेती हूँ। मेरी समस्या है तो मैं ही ठीक कर सकती हूँ। परमात्मा शिव बाबा की मदद से हर समस्या का समाधान निकाला जा सकता है।

हम यह जान जाते हैं कि विचारों को श्रेष्ठ, शक्तिशाली और सकारात्मक कैसे बनाना है।

माउंट आबू आकर दिव्य अनुभूति हुई

जैसे ही मैंने माउंट आबू, पांडव भवन की भूमि पर कदम रखा तो मुझे यहां आकर दिव्य अनुभूति हुई। मेरा मन अद्भुत शांति की शक्ति से भर गया। ऐसा लगा कि लाइफ में सबकुछ पा लिया है। जिस अतीन्द्रिय शांति की मुझे तलाश थी वह आज मिल गई है। ब्रह्माकुमारीज़ बहनों बिना किसी नाम-मान-शान की भावना के निःस्वार्थ रूप से सेवा कर रही हैं। उनके जीवन में दिव्यता, पवित्रता देखकर बहुत खुशी होती है। उनके जीवन से सीखा है कि इस दुनिया में आप अपना बेस्ट देते जाइए और बाकी सब परमात्मा पर छोड़ दीजिए। मैंने यहां जाना है कि हमें अपनी चीजों को कैसे संभालना है।

राजयोग मेडिटेशन से बढ़ी इनर सेल्फ पॉवर

जब मैं राजयोग मेडिटेशन का नियमित प्रैक्टिस करने लगी तो इससे मेरी इनर पॉवर बढ़ गई है। मैंने अनुभव किया है कि जितना हम स्पीचुअलिटी को जानते जाते हैं और इनर सेल्फ पर ध्यान देते हैं तो हमारी पर्सनॉलिटी इम्प्रूव होती जाती है। खुद को समझने के बाद हमें दूसरों को समझने की कला भी आ जाती है। मेरा आप सभी से भी आग्रह है कि अपनी रूटीन लाइफ में से कुछ समय स्पीचुअलिटी के लिए भी निकालें। इसे लाइफ में इम्प्लीमेंट करें। आप किसी भी प्रोफेशनल में हैं यदि अपने इनर पॉवर पर फोकस करते हैं तो आप उसमें बेस्ट दे सकते हैं। लाइफ को बैलेंस करने में मेडिटेशन बहुत हेल्प करता है। युवा स्पीचुअलिटी से जुड़ते हैं तो उन्हें लाइफ में एक नई दिशा मिल जाती है। वह अपनी लाइफ को चैंज कर सकते हैं।

ध्यान से दिन की शुरुआत

अब रोजाना की सुबह राजयोग मेडिटेशन के अभ्यास से होती है। कितनी भी बिजी रहूं लेकिन इसकी प्रैक्टिस नहीं भूलती हूँ। दिन में शूटिंग के दौरान भी बीच-बीच में प्रैक्टिस करती रहती हूँ। इससे माइंड को पॉवर मिलती है और परमात्मा की शक्ति का एहसास होता है। इसी का नतीजा है कि अब मेरी वर्क पॉवर बढ़ गई है। मेडिटेशन में परमात्मा की शक्तियों को महसूस किया जा सकता है। भगवान को प्यार से याद करना, उनसे बातें करना, अपने मन की बात उन्हें बताना ही मेडिटेशन है। वास्तव में हमारा खुद का एक रिश्ता परमात्मा के साथ बनाना ही मेडिटेशन है।



मेडिटेशन एक विज्ञान है

ब्रह्माकुमारीज़ के मुख्यालय माउंट आबू आकर बहुत ही शांति की अनुभूति हुई है। आज की दुनिया में ऐसे लोगों की और ऐसी संस्थाओं की बहुत ही जरूरत है। मेडिटेशन से हम जो भी काम करते हैं तो स्थिर मन से करते हैं। मेडिटेशन से हम दो मिनट खुद पर फोकस करके खुद को शांत और स्थिर कर सकती हैं। सभी के लिए मेडिटेशन बहुत जरूरी है। मेडिटेशन एक साइंस है। जिसे सही तरीके से समझने की जरूरत है। हम अपनी जिंदगी में कितने भी व्यस्त हूँ लेकिन रोज कम से कम 5-10 मिनट रोजाना मेडिटेशन के लिए जरूर निकालें। इसका असर निश्चित रूप से आपके काम पर दिखेगा। ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान लोगों को सही राह दिखाने के लिए कार्य कर रही है। जीवन में सही मार्ग मिल रहा है। यह सब कार्य भगवान ही करा सकते हैं। भगवान की शक्ति से ही यहां की बहनें इतना सब कार्य कर पा रही हैं। यहां भगवान की ही शक्ति है जो विश्व स्तर पर लोगों को आध्यात्म की शिक्षा दी जा रही है। हमारे देश में महिलाओं की पूजा देवी के रूप में होती आ रही है। चाहे मां दुर्गा हों, मां काली हों, मां सीता हों... इसी तरह हमारे देश की नारियों में भी वह शक्तियां हैं जिसे पहचानने की जरूरत है। ब्रह्माकुमारी बहनों ने अपनी शक्ति को पहचाना है और उसे सही दिशा में लगा रही हैं।

रवीना टंडन

मशहूर फिल्म अभिनेत्री, मुंबई



बाबा ने मेरा जीवन बदला

राजयोग मेडिटेशन से मेरी जिंदगी बदल गई। वास्तव में राजयोग मेडिटेशन सभी के लिए सीखना चाहिए। इससे व्यक्तित्व का पुनःनिर्माण होता है। लोगों को आध्यात्म का संदेश देने के लिए जिंदल ग्रुप के सभी स्कूलों, हॉस्पिटल और कंपनियों में भी समय-समय पर मोटिवेशनल वर्कशॉप, सेमीनार, आध्यात्मिक प्रवचन और राजयोग मेडिटेशन की शिक्षा ब्रह्माकुमारी बहनों के माध्यम से दी जाती है। मैं खुद को भाग्यशाली समझती हूँ कि मुझे परमात्मा का सत्य ज्ञान मिला। शिव बाबा ने मेरा जीवन बदल दिया। वर्तमान परिवेश में आज यह ज्ञान सभी को जानना चाहिए। इससे जीवन जीने की कला आती है। ब्रह्माकुमारीज़ को लेकर लोगों के मन में कई तरह के भ्रम हैं जो गलत हैं। इनका पवित्र और तपस्वी जीवन मिसाल है जो हमें प्रेरणा देता है।



दीपिका जिंदल

डायरेक्टर, जिंदल ग्रुप ऑफ स्कूल व हॉस्पिटल, दिल्ली

दादी जानकी: द्वितीय पुण्य स्मरण] तपस्या का तप है कि योग के प्रकम्पनों को आज भी शक्ति स्तंभ पर महसूस कर सकते हैं

राजयोगिनी दादी जानकी

दादी के जीवन के तीन मंत्र- सच्चाई, सफाई और सादगी

भगवान कहते हैं- मेरे बच्चों तुम कोई भी फिक्र मत करो, सिर्फ मुझे याद करो, मैं तुम्हारे सारे कार्य आसान कर दूंगा। खुशी सबसे बड़ा गहना है, सदा खुशी में नाचते रहो। खुशी जीवन का शृंगार है।

■ शिव आमंत्रण, आबू रोड। विश्वभर को सच्चाई, सफाई और सादगी का संदेश देने वाली योग शक्ति राजयोगिनी दादी जानकी जी की तपस्या का ही कमाल है कि उनके योग के प्रकम्पनों को आज भी महसूस किया जाता है। दादी की याद में बने शक्ति स्तंभ पर पहुंचते ही मन योग में रम जाता है। दादी की कथनी और करनी एक समान थी। यही कारण है कि उन्होंने ताउम्र अपने जीवन के मूलमंत्र- सच्चाई, सफाई और सादगी को प्रत्येक पल जीया। हृदय इतना विशाल की 50 हजार ब्रह्माकुमारी बहनों की मार्गदर्शिका और पांच हजार से अधिक सेवाकेंद्रों की निदेशिका होने के बाद भी कहती थीं कि मेरा जेब खाली और मैं विश्व का मालिक। दादीजी 27 मार्च 2020 को 104 वर्ष की उम्र में स्थूल देह का त्याग कर अव्यक्त वतन वासी हो गई थीं, द्वितीय पुण्य स्मरण पर विशेष...

बचपन से ही थे

भक्तिभाव के संस्कार

अविभाज्य भारत के हैदराबाद सिंध प्रांत में वर्ष 1916 में जन्मी दादी जानकी ने मात्र चौथी कक्षा तक ही पढ़ाई की थी। भक्ति भाव के संस्कार बचपन से ही मां-बाप से विरासत में मिले। उन्होंने लोगों को दुःख, दर्द, तकलीफ, जातिवाद और धर्म के बंधन में बंधे देख अल्पायु में ही समाज परिवर्तन का दृढ़ संकल्प किया। माता-पिता की सहमति से 21 वर्ष की आयु में आप ओम् मंडली (ब्रह्माकुमारीज का पहले यही नाम था) से जुड़ गईं। ब्रह्मा बाबा के सांनिध्य में 14 वर्ष तक गुप्त तपस्या की।

37 देशों में किया

आध्यात्म का शंखनाद

दादी पहली बार 60 साल की आयु में वर्ष 1970 में विदेशी जमीं पर मानवीय मूल्यों और आध्यात्मिकता का बीज रोपने के लिए निकलीं। सबसे पहले लंदन से आध्यात्म का बीजारोपण किया। यहां 1991 में कई एकड़ क्षेत्र में फैले ग्लोबल को-ऑपरेशन हाऊस की स्थापना की।

कारवां बढ़ता गया और यूरोप के देशों में आध्यात्म का शंखनाद हुआ। दादी ने अकेले ही 100 से अधिक देशों में आध्यात्म का संदेश पहुंचाया। उन्होंने वर्ष 1970 से 2007 तक 37 वर्ष विदेश में अपनी सेवाएं दीं। वर्ष 2007 में संस्था की तत्कालीन मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी दादी प्रकाशमणि के अव्यक्त होने के बाद 27 अगस्त 2007 को ब्रह्माकुमारीज की मुख्य प्रशासिका बनकर अंतिम सांस तक ईश्वरीय सेवा की।

प्रधानमंत्री ने बनाया था

स्वच्छता का ब्रांड एंबेसेडर

देश में स्वच्छता को बढ़ावा देने के लिए भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने दादी जानकी को स्वच्छ भारत मिशन का ब्रांड एंबेसेडर भी नियुक्त किया था। दादी के नेतृत्व में पूरे भारतवर्ष में विशेष स्वच्छता अभियान भी चलाए गए। इसके अलावा दादी को देश-विदेश में मानव मात्र की सेवाओं के लिए कई राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय अवार्ड से भी नवाजा गया। मूल्यनिष्ठ शिक्षा एवं आध्यात्मिकता में विश्वभर में सराहनीय योगदान देने पर दादीजी को वर्ष 2012 में गीतम विश्वविद्यालय, विशाखापट्टनम ने डॉक्टरेट की उपाधि से सम्मानित किया। आध्यात्मिक एवं धार्मिक लोगों के एक संगठन कीपर्स ऑफ विजडम की दादी जी सदस्य भी थीं। विश्व स्तर पर मानव आवास एवं पर्यावरण की समस्याओं के समाधान के लिए यह संगठन कार्य करता है। दादी के सम्मान में वर्ष 1977 में लंदन में जानकी फाउंडेशन फॉर ग्लोबल हेल्थकेयर की स्थापना की गई।

विश्व की सबसे स्थिर

मन की महिला का

खिताब मिला था

दादी जानकी दुनिया की पहली ऐसी महिला थीं, जिन्हें सबसे स्थिर मन की महिला का खिताब मिला



था। अमेरिका के टेक्सास मेडिकल एवं साइंस इंस्टीट्यूट में वैज्ञानिकों द्वारा परीक्षण के बाद दादीजी को मोस्ट स्टेबल माइंड ऑफ द वर्ल्ड वुमन से नवाजा था। उन्होंने योग से अपने को मन इतना संयमित, पवित्र, शुद्ध और सकारात्मक बना लिया था कि वह जिस समय चाहें, जिस विचार या संकल्प पर और जितनी देर चाहें, स्थिर रह सकती थीं।

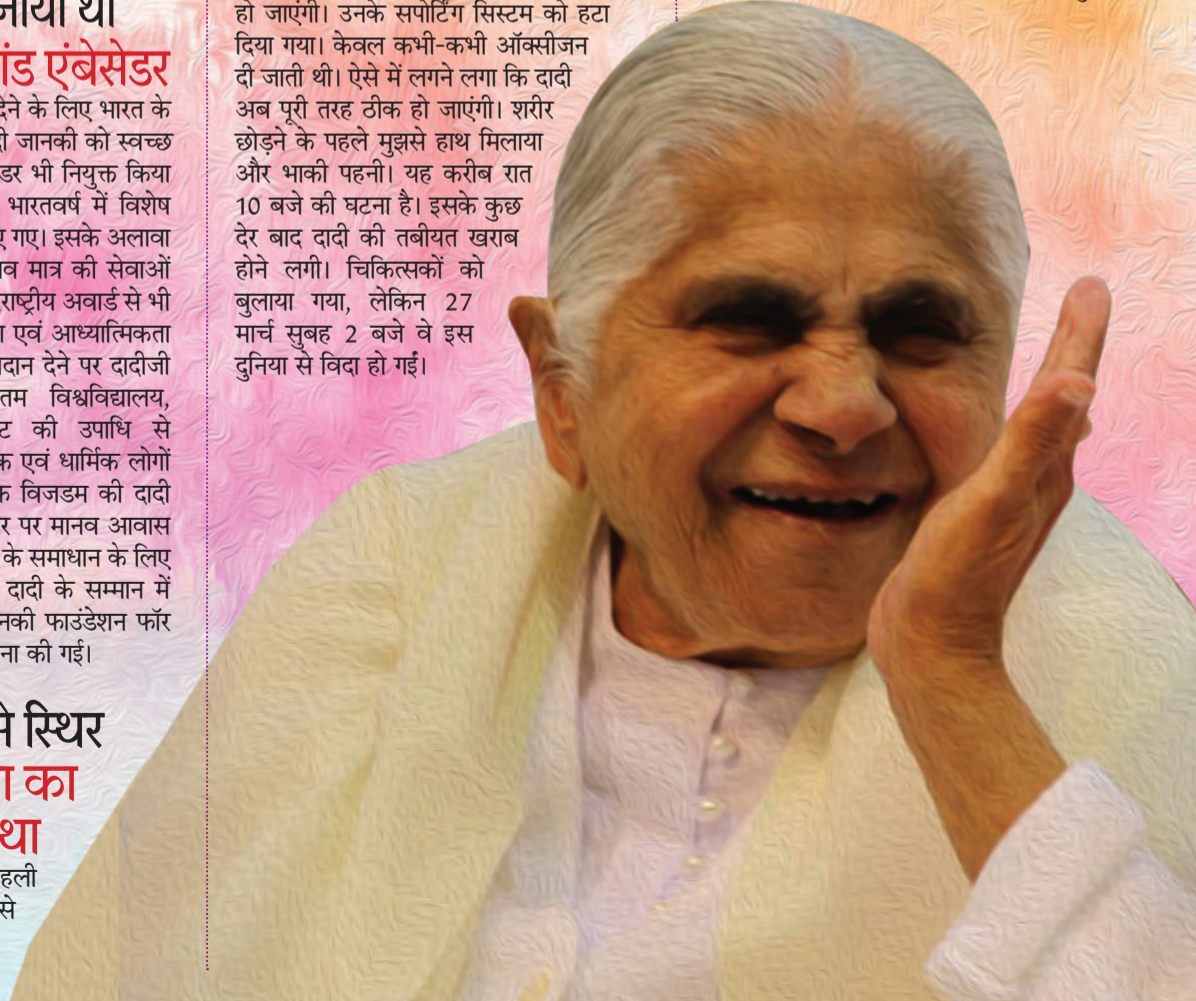
दादीजी ने पहले ही कर ली थी जाने की तैयारी

दादीजी के साथ लंदन में रहीं और 35 साल तक निज सचिव के रूप में सेवाएं देने वाली वरिष्ठ राजयोग शिक्षिका बीके हंसा ने बताया कि दादीजी ने पहले से ही अपने शरीर छोड़ने की प्लानिंग कर ली थी। कई बार इसका जिक्र करती थीं कि वे चाहती हैं कि उनके शरीर छोड़ने के समय न तो कोई मेडिकल मशीनरी लगी हो और न ही किसी हॉस्पिटल में रहें। दादी जब 27 मार्च को इस दुनिया से विदा हुई तो बिल्कुल वही स्थिति थी। दादी की इच्छा थी कि जब वे शरीर छोड़ें तो ज्यादा तामझाम या ज्यादा खर्च या लोग इक्कट्टे ना हों। यह बात वह कई बार सार्वजनिक रूप में भी करती थीं। वैसे, उनकी तबियत 17 मार्च को ही अहमदाबाद में ज्यादा खराब हो गई। वहां से चिकित्सक छुट्टी नहीं दे रहे थे कि वे माउंट आबू लेकर आएँ, लेकिन दादी का भाव और विचार था कि जल्दी माउंट आबू ले चलो। 18 मार्च को हम आबू आ गए। यहां एक बारगी लगा कि दादी ठीक हो जाएंगी। उनके सपोर्टिंग सिस्टम को हटा दिया गया। केवल कभी-कभी ऑक्सीजन दी जाती थी। ऐसे में लगने लगा कि दादी अब पूरी तरह ठीक हो जाएंगी। शरीर छोड़ने के पहले मुझसे हाथ मिलाया और भाकी पहनी। यह करीब रात 10 बजे की घटना है। इसके कुछ देर बाद दादी की तबीयत खराब होने लगी। चिकित्सकों को बुलाया गया, लेकिन 27 मार्च सुबह 2 बजे वे इस दुनिया से विदा हो गईं।

दादी जी के जीवन की

10 अनमोल शिक्षाएं

- 01 प्रभु से इतना प्यार है कि उसे अपने दिल में बैठा रखा है। उसे हरदम अपने दिल-जिगर के पास महसूस करती हूँ। जब आंख खोलती हूँ तो बाबा की दृष्टि पड़ती, उन्हें अपनी आंखों से निहारती हूँ। परमात्मा से अन्नय प्रेम ही जीवन का सार है।
- 02 मेरे दो बच्चे हैं- सुख और शांति। मेरा पति दिलवाला (परमपिता शिव परमात्मा) है। अब मेरा तीसरा बच्चा है प्रेम। जीवन का आधार सुख-शांति और प्रेम है।
- 03 मेरा सफेद कपड़ा, जेब खाली और सारे विश्व की मालिक हूँ। मैंने कभी जीवन में अपने साथ पर्स नहीं रखा। कभी भी एक रुपए की फिक्र नहीं रही। करनकरावनहार परमात्मा शिव बाबा सब करा लेता है। जब सबकुछ उसे अर्पण कर देते हैं तो फिर सारी जिम्मेवारी प्रभु पिता की हो जाती है।
- 04 जीवन में सच्चाई है तो खुशी मिलेगी, खुशी से प्रेम और प्रेम से नम्रता-मधुरता।
- 05 जीवन में सदा ओके रहना, चाहे लाख परेशानियाँ आएँ, अपने मन की स्थिति कभी बिगड़ने नहीं देना।
- 06 सारे संसार में कोई बात मुश्किल नहीं है। परमात्मा पिता पर विश्वास हो तो सब आसान है। ब्रह्माकुमारी बहनों जो संकल्प करती हैं वह पूरा हो जाता है क्योंकि सब कार्य परमात्मा शिव बाबा कराते हैं। करनकरावनहार तो बाबा है।
- 07 भगवान कहते हैं- मेरे बच्चों तुम कोई भी फिक्र मत करो, सिर्फ मुझे याद करो, मैं तुम्हारे सारे कार्य आसान कर दूंगा। खुशी सबसे बड़ा गहना है, सदा खुशी में नाचते रहो।
- 08 दुनिया में प्रत्येक व्यक्ति महत्वपूर्ण है। जब हम मिलकर कोई कर्म करते हैं तो वह आसान हो जाता है और सफल होता है।
- 09 जीवन में सच्चाई से चलेंगे तो सुख मिलेगा। त्याग-तपस्यामूर्त बनेंगे तो ही आत्मा का विकास होगा। धीरज रखो, शांति से रहो।
- 10 पांच बातें हर एक के दिल में छपी हैं- पवित्रता, सत्यता, धैर्यता, नम्रता, मधुरता।



बाबा की शिक्षाओं को किया याद



» शिव आमंत्रण, निम्बाहेड़ा (राजस्थान)। ब्रह्माकुमारी सेवाकेंद्र पर संस्थापक ब्रह्मा बाबा के पुण्य स्मृति दिवस 18 जनवरी पर कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान सदर थाना प्रभारी सूरज बैरवा, ब्रिज किशोर भाई, बीके शिवली, बीके अनिता ने श्रद्धासुमन अर्पित कर बाबा की शिक्षाओं को याद किया।

खाद्य मंत्री ने पुष्पांजली अर्पित की



» शिव आमंत्रण, बतौली (छग)। ब्रह्माकुमारी उपसेवाकेंद्र में पिताश्री ब्रह्मा बाबा के 53वें पुण्य स्मृति दिवस पर शांति स्तम्भ और बाबा की कुटिया बनाई गई। कार्यक्रम में पहुंचे छग के खाद्य एवं संस्कृति विभाग राज्यमंत्री अमरजीत भगत ने ब्रह्मा बाबा को श्रद्धांजलि देने के साथ मेडिटेशन की सुखद अनुभूति की। साथ ही राजयोग मेडिटेशन अपनाने पर जोर दिया।

रीता बहुगुणा को दिया संदेश



» शिव आमंत्रण, चुनार/वाराणसी (यूपी)। भाजपा की जन विशाल रैली के चुनार पंडरी बाजार में पहुंचने पर वाराणसी सेवाकेंद्र की बीके तारा ने रैली में आई भाजपा नेता रीता बहुगुणा जोशी को ईश्वरीय संदेश एवं ईश्वरीय सौगात प्रदान की। इस मौके पर कौशांबी सांसद विनोद सोनकर, विद्युत मंत्री रमाशंकर सिंह पटेल व अन्य मौजूद रहे।

व्यसनमुक्ति का लिया संकल्प



» शिव आमंत्रण, पन्ना, मप्र। राष्ट्रीय युवा दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में युवाओं ने व्यसनमुक्त जीवन जीने का संकल्प लिया। कार्यक्रम में सेवाकेंद्र प्रभारी बीके सीता, डॉ. देवव्रत सिंह, मनोज मिश्रा, लेक्चरर सुनील श्रीवास्तव आदि मौजूद रहे।

अमृत महोत्सव का शुभारंभ



» शिव आमंत्रण, राजगढ़ (मप्र)। आजादी के अमृत महोत्सव से स्वर्णिम भारत की ओर अभियान का शुभारंभ ब्यावरा सेवाकेंद्र द्वारा किया गया। विधायक रामचंद्र दांगी, एसडीएम जूही गर्ग, पूर्व विधायक नारायणसिंह पंवार, ब्रह्माकुमारी जिला प्रभारी बीके मधु, वैश्य महिला प्रकोष्ठ की जिला अध्यक्ष आरती मंगल, बीके लक्ष्मी मौजूद रहीं।

अपने मन में संकल्प लें कि मुझे शक्ति रूप बनना है: बीके शैलजा



» आजादी के अमृत महोत्सव से स्वर्णिम भारत की ओर अभियान के तहत राष्ट्रीय बालिका दिवस पर कार्यक्रम आयोजित

» शिव आमंत्रण, छतरपुर (मप्र)। जीवन में यदि सही दिशा मिले तो नारी हर क्षेत्र में नंबर वन स्थान ले सकती है। हम अपने मन में संकल्प लें कि मुझे शक्ति रूप बनना है। आई केन डू इट यह एक संकल्प ही हमें हर कार्य को संभव बनाने में मदद करेगा। कन्या ही वह रत्न है जो इस जग का उद्धार करेगी। उक्त उद्गार ब्रह्माकुमारी के छतरपुर सेवाकेंद्र प्रभारी बीके शैलजा ने व्यक्त किए। मौका था राष्ट्रीय बालिका दिवस पर पावन धाम में आजादी के अमृत महोत्सव से स्वर्णिम भारत की ओर आयोजित कार्यक्रम का। महिला एवं बाल विकास परियोजना अधिकारी प्राची सिंह ने कहा कि मां का कर्तव्य निभाना सबसे महान है। केवल बच्चे पैदा करने से मां नहीं बन जाती। उसके लिए

हमें त्याग और बलिदान की मूर्त बनना पड़ता है। भाजपा महिला मोर्चा जिलाध्यक्ष उर्मिला साहू, अभिनेत्री रूपाली भारद्वाज, गार्गी आनंद (बीएसएनएल टीडीएम), महिला मोर्चा उपाध्यक्ष प्रियंका द्विवेदी, रेखा

सिंह, बीके कमला, बीके भारती, बीके रजनी, बीके मधुकर, बीके मोहिनी, बीके नम्रता, बीके पूनम भी उपस्थिति रहीं। संचालन बीके रीना ने किया। बीके रीमा, बीके सुमन ने म्यूजिक दिया।

राजयोग देता है मन को गहन शांति: एसपी सचिन शर्मा

» शिव आमंत्रण, छतरपुर (मप्र)। मैं जब भी ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय आता हूँ तो मन को गहन शांति की अनुभूति होती है। मन में एक नई ऊर्जा का संचार होता है। उक्त उद्गार ऑडिटोरियम में ब्रह्माकुमारी द्वारा आयोजित खुशियों के बिग बाजार कार्यक्रम में छतरपुर एसपी सचिन शर्मा ने व्यक्त किए। माउंट आबू से पहुंचे मोटिवेशनल स्पीकर बीके शक्तिराज ने कहा कि मेडिटेशन एक ऐसी विधि है जिससे सभी प्रकार के ब्लॉकज दूर किए जा सकते हैं। उन्होंने डीप मेडिटेशन द्वारा गहन शांति की अनुभूति कराई। कार्यक्रम में महाराजा छत्रसाल बुदेलखंड विश्व विद्यालय के स्पोर्ट्स ऑफिसर डॉ. अरविंद महलोनिया, शा. उत्कृष्ट विद्यालय क्र.1 स्पोर्ट्स ऑफिसर बृजेंद्र द्विवेदी, सचिव जिला बेसवाल संघ मानसिंह, हाईस्कूल प्राचार्य पुष्पेंद्र सिंह बघेल, आरडीएस उमा विद्यालय बमीठा संचालिका मती बघेल, स्पोर्ट्स ऑफिसर शाउ मॉडल वि. जितेन्द्र सिंह, जेलर राम रोमणी पांडेय, रोटरी क्लब अध्यक्ष मुकेश चौबे, पैथोलॉजी एसोसिएशन अध्यक्ष अशोक अवस्थी, सत्य शोधन आश्रम संचालक देवेन्द्र भंडारी सम्मिलित हुए। संचालन सेवाकेंद्र प्रभारी बीके शैलजा ने किया।

आगरा: नव शक्ति समारोह आयोजित



» शिव आमंत्रण, आगरा (उप्र)। ब्रह्माकुमारी संस्थान के प्रभु मिलन सेवाकेंद्र पर कला एवं संस्कृति प्रभाग द्वारा नवशक्ति समारोह आयोजित किया गया। इस मौके पर सेवाकेंद्र प्रभारी बीके अश्विना, साहित्य गौरव सुरसिंह सिन्हा, अपर आयुक्त आगरा मंडल साहब सिंह आईएस, केंद्रीय हिंदी संस्थान के कुलसचिव चंद्रकांत त्रिपाठी, पत्रकार ब्रिज खंडेलवाल, संगीतज्ञ डॉ. रंजना सक्सेना मुख्य रूप से मौजूद रहीं।

नशामुक्ति के लिए वरदान है संस्था



» शिव आमंत्रण, रीवा (मप्र)। ब्रह्माकुमारी के शांतिधाम झिरिया सेवाकेंद्र पर युवा वर्ग के लिए स्नेह मिलन कार्यशाला आयोजित की गई। इसमें युवा समाजसेवी अविराज चौधवानी, एडिशनल एसपी शिव कुमार वर्मा ने कहा कि ब्रह्माकुमारी नशामुक्ति के लिए एक वरदान है। स्वच्छ भारत मिशन के नोडल अधिकारी एसके चतुर्वेदी, संचालिका बीके निर्मला दीदी, डॉ. बीके अर्चना, प्राचार्य बीके दीपक, बीके प्रकाश मौजूद रहे।

» अमृत महोत्सव

आजादी के अमृत महोत्सव से स्वर्णिम भारत की ओर अभियान के तहत शास. हायर सेकेंडरी स्कूल में आयोजन

छात्राओं ने रंगोली से दिखाई प्रतिभा

» शिव आमंत्रण, बीना। ब्रह्माकुमारी संस्थान के युवा प्रभाग द्वारा शासकीय हायर सेकेंडरी स्कूल, खिमलासा में बसंत पंचमी पर रंगोली प्रतियोगिता आयोजित की गई। आजादी के अमृत महोत्सव से स्वर्णिम भारत की ओर अभियान के तहत आयोजित प्रतियोगिता में 50 छात्राओं ने भाग लिया। सेवाकेंद्र प्रभारी बीके जानकी दीदी ने बताया कि रंगोली प्रतियोगिता में छात्राओं ने पर्यावरण संरक्षण, भारत की स्वर्णिम संस्कृति से खुशहाली और उन्नति का संदेश दिया। बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ, पशु-पक्षियों के प्रति प्रेम जताते हुए उनकी आकृति को रूप दिया। प्रतियोगिता में प्रथम स्थान संयुक्त रूप से मीना कुशवाहा, हंसिका नामदेव, द्वितीय स्थान दिशा सोनी, कुमकुम, अनुष्का पटवा, आरजू खान, स्नेहा लोधी, कंचन लोधी, साहनी लोधी और तृतीय स्थान संजना, स्नेहा, सारिका पटवा, प्रतीक्षा पटवा और श्वेता ने संयुक्त रूप से प्राप्त किया। प्राचार्य संजय जैन, राजयोग शिक्षिका बीके गुड्डी भी मौजूद रहीं।

सम्मान समारोह: बीना सेवाकेंद्र पर जैविक खेती कर रहे नशामुक्त किसानों का सम्मान समारोह आयोजित किया गया। इसमें कृषि उद्यानिकी अधिकारी प्रवीण साहू, सिंधी पंचायत के अध्यक्ष मंसाराम सुंदरानी, बीके सरस्वती, मुन्नालाल साहू सहित अन्य भाई-बहन मौजूद रहे।



» शासकीय हायर सेकेंडरी स्कूल में आयोजित रंगोली प्रतियोगिता में की 50 छात्राओं ने भाग लिया। स्वर्णिम भारत की दिखाई झलक।

